

संपादकीय

## डिजिटल एडिक्शन की लत घातक

देश के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार की मंजूरी सरकार ने दी है। पिछड़े व दूरदराज के क्षेत्रों के वासियों तक इंटरनेट सुविधाओं के लिए किसी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान नहीं करना होगा।

राज्य सभा में यह विधेयक पहले ही पेश किया जा चुका है। दूरसंचार मंत्री के अनुसार राष्ट्रपति ने विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। देश के पिछड़े व दूर-दराज के रहवासियों को समान रूप से इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के यह विशेष उपाय सरकार करेगी। डिजिटल विभाजन को पाटना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसलिए उन्हें इंटरनेट का प्रयोग करने की सुविधा होना सकारात्मक सोच है।

फोर्ब्स के अनुसार भारत में 2024 के शुरुआती दिनों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पूरी आबादी का 52 फीसद से अधिक हो चुके हैं। 36 फीसद ग्रामीण डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर रहे हैं। जो तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। बिजली कटौती में आ रही कमी और नौजवानों की बढ़ती आबादी भी इसकी बुनियाद में है। तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन में अपनी अहमियत तेजी से बढ़ाई है। शिक्षितों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है, जिसके चलते लोग स्मार्ट फोन, कंप्यूटर व अन्य डिवाइसों का इस्तेमाल करना सीख रहे हैं।

मुफ्त इंटरनेट देने का सरकार फैसला सकारात्मक कहा जा सकता है। मगर यह ख्याल भी रखना जरूरी है कि जनता नेट में खोज क्या रही है? आम भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल पढ़ाई, जानकारी या सूचनाओं को एकत्र करने की अपेक्षा मनोरंजन, सेक्सुअल कंटेंट व अनावश्यक चीजों के लिए अधिक करता है।

गूगल द्वारा प्रयोगकर्ताओं की सालाना की गई खोजों की सूची में भारतीय वर्षों से प्रोन्नति की खोज में अत्यंत आते हैं। मुफ्त इंटरनेट का प्रयोग यदि इसी तरह किया जाता रहा तो समाज में व्यभिचार बढ़ने की आशंका हो सकती है। इसमें खास तरह का फिल्टर लगाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। निःसंदेह ये सेवाएं सरकार किसी निजी संचार सेवा से लेगी, जिसका भुगतान करने में मोटी राशि खर्च की जाएगी। अच्छे विचार होने के बावजूद इंटरनेट मुफ्त देने से डिजिटल एडिक्शन की लत घातक हो सकती है। हां, इसे कुछ अवधि के लिए मुफ्त किया जाना चाहिए था।

## निशानेबाजी ही नहीं बॉक्सिंग में भी मेडल जीत चुकी हैं मनु भाकर

नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत को पहला मेडल जिताने वाली मनु भाकर का नाम आज हर किसी के जुबान पर है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में मेडल से चूकने के बाद मनु ने इस बार ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा। वह भारत के लिए ओलंपिक इतिहास में मेडल जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज बन गई हैं। लेकिन, क्या आपको पता है कि मनु सिर्फ निशानेबाजी ही नहीं बल्कि दूसरे खेलों में भी काफी अच्छी हैं। मार्शल आर्ट्स में तो वो चैंपियन रह चुकी हैं...

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु का जन्म 18 फरवरी, 2002 को हुआ था। बचपन से ही मनु भाकर को खेल में काफी दिलचस्पी थी। उन्होंने कई खेलों में हाथ आजमाए।



हाथ आजमाए।

आपको बता दें, मनु ने निशानेबाजी से पहले टेनिस, स्केटिंग और यहां तक कि थॉग टा मार्शल आर्ट्स में भी हाथ आजमाया जो भारत के मुंबई में बहुत मशहूर है। इस खेल के प्रति दीवानगी बढ़ी और वह मार्शल आर्ट में नेशनल लेवल की एथलीट बनीं। लेकिन मनु को लगता कि इस गेम में चॉटिंग होती है। उसने यह खेल भी छोड़ने का फैसला कर लिया।

बच्चे पैदा होते हैं, तभी

माता-पिता उनके भविष्य को लेकर सपने देखते हैं, ऐसा ही कुछ मनु भाकर के साथ भी हुआ। उनकी मां डॉक्टर सुमेधा चाहती थीं कि बेटी बड़ी होकर डॉक्टर बनें, तो वहीं उनके पिता रामकिशन मनु को बॉक्सर बनाना चाहते थे। मनु को बॉक्सर बनाना चाहते थे और मनु भी बॉक्सिंग करने लगीं।

मनु बॉक्सिंग में भी काफी अच्छी थीं और उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर मेडल भी जीते। एक दिन प्रैक्टिस करते हुए मनु के आंख पर

चोट लग गई। इससे आंख सूज गई थी। चोट लगने के बाद मनु ने बॉक्सिंग छोड़ने का मन बना लिया। मनु ने बॉक्सिंग, मार्शल आर्ट्स के अलावा आर्चरी, टेनिस, स्केटिंग की प्रैक्टिस की, लेकिन उसका मन नहीं लगा और इसके बाद शूटिंग को चुना और अब उन्होंने ओलंपिक में मेडल जीकर पूरे देश का सीना चौड़ा कर दिया है।

मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का कांस्य पदक अपने नाम करके इतिहास रच दिया है। मनु निशानेबाजी में भारत के लिए ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज हैं। मनु का यह पदक, 12 साल बाद भारत का ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक है।

## 20 करोड़ रुपए का घपला कर फरार हुई अधिकारी, आरबीआई ने मणपुरम फाइनेंस पर गिरा दी गाज

नई दिल्ली

मणपुरम फाइनेंस को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। आरबीआई ने नियमों के उल्लंघन के मामले में मणपुरम फाइनेंस पर 41.5 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। रजिस्ट्रार, फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली एक महिला अधिकारी लगभग 20 करोड़ रुपये का घपला कर फरार हो गई थी। वह 2019 से ही फर्जी लोन कर कंपनी के डिजिटल पर्सनल लोन अकाउंट से अपने पिता और भाई के अकाउंट में

पैसे भेज रही थी। मणपुरम कॉम्प्यूट एंड कंसल्टेंट्स में हुआ है यह घपला-मणपुरम फाइनेंस ने जानकारी दी थी कि कंपनी की सॉल्यूशियर मणपुरम कॉम्प्यूट एंड कंसल्टेंट्स में असेसमेंट जनरल मैनेजर के पद पर 18 साल के कार्यरत धान्या मोहन ने लगभग 20 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया है। मामले का खुलासा होने से पहले ही वह भाग गई है। कंपनी ने उसके खिलाफ वलपड धाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी। इसके अलावा केएपीएमजी को भी इस मामले की जांच सौंपी है।

## ओलंपिक 2024: लक्ष्य सेन की पहली जीत नहीं की जाएगी काउंट

पेरिस

भारत के स्टार बैडमिंटन प्लेयर लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक 2024 में अपना पहला मुकामला जीत गए थे, लेकिन अब पता चला है कि उसे काउंट ही नहीं किया जाएगा। इससे भारत को एक करारा झटका लगा है। हालांकि ये सब कुछ नियमों के अनुसार ही किया जा रहा है। जिस विरोधी को लक्ष्य सेन ने हराया है, उसने चोट के कारण अपना नाम इस टूर्नामेंट से वापस ले लिया है। इतना ही साल्वेसाईराज रंकिरेड्डी और चिराग शेटी का पुषु युगल ग्रुप सी



का मुकामला भी रद कर दिया गया है, जो आज खेला जाना था। वहां भी इन टूर्नामेंट के खिलाफ जिन विरोधी खिलाड़ियों को खेला था, वे चोट के कारण बाहर हो गए हैं।

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन की ओलंपिक खेलों में पुषु युगल ग्रुप एल के शुरुआती मैच में केविन कॉर्डन पर जीत को नहीं गिना जाएगा। ऐसा लिए किया गया है क्योंकि ग्वाटेमाला का उनका प्रतिद्वंद्वी बाई कोहनी की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने एक अपडेट में कहा है कि ग्वाटेमाला के पुषु युगल खिलाड़ी केविन कॉर्डन बाई कोहनी की चोट के कारण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता से हट गए हैं। इसमें कहा गया है कि इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्लिजयम के जूलियन केरागी के खिलाफ उनके ग्रुप एल के शेष मैच नहीं खेले जाएंगे। इस ग्रुप के मैचों का कार्यक्रम फिर से तय किया

## वाशिंगटन फ्रीडम ने जीता मेजर लीग क्रिकेट का खिताब, फाइनल में फ्रांसिस्को को हराया

नई दिल्ली

मेजर लीग क्रिकेट को नया चैंपियन मिल गई है। इस लीग का फाइनल मैच वाशिंगटन फ्रीडम और सैन फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी की टीमों के बीच खेला गया। स्टीव स्मिथ की कप्तानी वाली वाशिंगटन फ्रीडम ने एक तरफ अंदाज में फाइनल मैच जीता और खिताब अपने नाम किया। फ्रीडम ने खिताबी मुकामले में सैन फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी को 96 रन से धूल चटा दी। वाशिंगटन फ्रीडम की जीत के हीरो कप्तान स्टीव स्मिथ और मार्को यानसन रहे।

डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम पर खेले गए मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी की। ट्रैविस हेड फाइनल मैच में नहीं चले, लेकिन कप्तान स्टीव स्मिथ ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। जिसके चलते वाशिंगटन फ्रीडम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 207 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने सिर्फ 52 गेंदों पर 88 रन जड़े, जिसमें 6 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 169.23 का रहा। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल ने 22

गेंदों पर 40 रन ठोके। स्मिथ ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर पारी को 169 रन तक पहुंचाया। मुख्तार अहमद ने 9 गेंदों पर 19 रन और ओबस पिणार ने 9 गेंदों पर 13 रन बनाकर पारी का अंत किया।

वाशिंगटन फ्रीडम से मिले 208 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सैन फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी की टीम सत्रों में सिमट गई। पूरी टीम 16 ओवर में 111 रनों पर ही आउटआउट हो गई। फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी की ओर से कैमरी ली रूक्स ने सबसे ज्यादा 20 रनों का योगदान दिया और नॉटआउट लौटे।

दूसरी ओर फ्रीडम के लिए मार्को बैनसन ने चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं रचिन रविंद्र ने चार ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। एंड्रयू टाउ ने दो ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि सौरभ नेत्रवकर और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-एक विकेट चटकाया। स्टीव स्मिथ को उनकी शानदार और विस्फोटक पारी के लिए फाइनल में दोस्तों ऑफ द मैच चुना गया। स्टीव स्मिथ के लिए ये सीजन काफी शानदार रहा।

## टेनिस में एक दिन के अंदर खत्म हुआ भारत का सफर, नहीं रही मेडल की कोई उम्मीद

पेरिस

पेरिस ओलंपिक 2024 का आयोजन किया जा रहा है। ओलंपिक के दूसरे दिन भारत ने एक मेडल जीत और मनु भाकर ने देश का नाम रोशन किया। भारत की ओर से इस बार कुल 117 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद की जा रही है भारत की बार 10 या उससे ज्यादा मेडल जीत सकता है। इसी बीच भारत को टेनिस इवेंट में निराशा हाथ लगी है। इस इवेंट में एक दिन के अंदर भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं और भारतीय टेनिस खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा है। पेरिस ओलंपिक में भारत का

टेनिस अभियान सिर्फ एक दिन तक चला, क्योंकि सुमित नागल और रोहन बोपन्ना - एन श्रीराम बालाजी की मॅस डबल्स की जोड़ी रिवकार को यहां फ्रांसीसी चुनौतीकर्ताओं से अपने-अपने शुरुआती मैच हारकर बाहर हो गई।

ओलंपिक 2024 के दूसरे दिन नागल सबसे पहले कोर्ट पर उतरे, लेकिन उनका मजबूत बेसलाइन गेम तेजतर्रार कॉरेंटिन मोटे के खिलाफ काफी नहीं रहा, जिन्होंने तीन सेटों



मो नानदार जीत हासिल की। नागल दूसरी बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे थे। नागल ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की, लेकिन रोलांड गैरोस के कोर्ट सात में उन्हें

2-6, 6-4 और 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। टोक्यो खेलों में, नागल दूसरे दौर में रूसी डेनियल मेदेवेदेव से हार गए थे, लेकिन इस बार वह पहले ही दौर से बाहर हो गए।

नागल के मैच के बाद, बोपन्ना और बालाजी कोर्ट पर उतरे। जहां उनका सामना फ्रांस की जोड़ी एडोर्ड रोजर-बेसलिन और गेल

मोनफिल्स से हुआ। बोपन्ना और बालाजी को फ्रांस की इस जोड़ी के खिलाफ 5-7 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। भारत ने टेनिस में केवल एक ओलंपिक पदक जीता है, जब लिण्डर पेस ने 1996 के एटलानटा खेलों में कांस्य पदक जीता था। यह शायद आखिरी बार था जब बोपन्ना ने किसी मल्टी खेल आयोजन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 44 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही डेविंस कप से संन्यास की घोषणा कर दी है। डबल्स मैच में बोपन्ना और दोनों फ्रांसीसी खिलाड़ियों के बीच कई बार बेसलाइन पर जोरदार आदान-प्रदान हुआ, लेकिन अंत में उनके हाथ निराशा लगी।

## सिनेमाघरों में डटकर खड़ी है कल्कि 2898 एडी, 31वें दिन भी बतारे दर्शक

निर्देशक नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन डायस्टोपियन फिल्म कल्कि 2898 एडी ने अपनी शुरुआत से ही रिकॉर्ड स्थापित करते हुए वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भारी प्रभाव डाला है। प्रभास, दीपिका पदुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे शानदार कलाकारों से सजी यह फिल्म भारत में प्रतिष्ठित 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की राह पर है। फिल्म की रिलीज को 31 दिन पूरे हो गए हैं। बावजूद इसके यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त पकड़ बनाए हुए है।



नई रिलीज से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद कल्कि 2898 एडी ने विशेष रूप से सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों में मजबूत पकड़ बनाए रखी है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज हुई है। 600 करोड़ के

बजट में बनी इस फिल्म का धमाल 31वें दिन भी बरकरार है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं को मिलाकर 95.3 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म ने 30 दिनों में कुल 625.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 31वें दिन 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म की अब तक की कुल कमाई 627.85 करोड़ रुपये हो गई है।

## विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

विजय मिल्टन द्वारा निर्देशित विजय एंटनी की अगली फिल्म तूफान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कुछ दिन पहले रिलीज हुए ट्रेलर में निर्माताओं ने कहा था कि फिल्म जुलाई में रिलीज होगी, लेकिन तारीख नहीं बताई। अब 2 अगस्त को रिलीज होने की पुष्टि हो गई है। कमल बोरा, डी. ललिता, बी. प्रदीप और पंकज बोरा इस फ़िल्म को इनफिनिटी फ़िल्म वेंचर्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह कंपनी इससे पहले राघवन और विजय



एंटनी अभिनीत हथिया का निर्माण कर चुकी है। निर्देशक विजय मिल्टन काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर शैली में फ़िल्म तूफान बना रहे हैं। निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे 2 अगस्त को दुनिया भर में फिल्म तूफान को एक भव्य थिएटर रिलीज के लिए ला रहे हैं।

## बैड न्यूज की फिर बढ़ी कमाई, 50 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची फिल्म

विकी कौशल, एमी विर्क और तुषि डिमरी की फिल्म बैड न्यूज का क्रेज उतरने का नाम नहीं ले रहा है। फिल्म 19 जुलाई को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी और तब से हर दिन बॉक्स ऑफिस पर दमदार कलेक्शन कर रही है। हालांकि पिछले दो दिन में बैड न्यूज की कमाई घटती नजर आई थी लेकिन दूसरे शनिवार को एक बार फिल्म का कलेक्शन बढ़ गया है। सैकनलिक के आंकड़ों पर नजर डालें तो बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर 8.3 करोड़ रुपए से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने 10.25 करोड़, तीसरे दिन 11.15 करोड़ और चौथे दिन 3.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। बैड न्यूज ने पांचवें दिन 3.75 करोड़, छठे दिन 3.15 करोड़ और सातवें दिन 2.15 करोड़ रुपए कमा लिए थे। वहीं अब नवें दिन भी विकी कौशल की फिल्म ने करोड़ों छाप लिए हैं। आनंद तिवारी के डायरेक्शन में बनी फिल्म बैड न्यूज ने सैंडेड सैटर्ड को कुल 3.25



करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। अब धरलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 48.25 करोड़ रुपए हो गया है यानी फिल्म 50 करोड़ क्लब में शामिल होने के बेहद करीब है। बैड न्यूज के बाद विकी कौशल पीरियड-ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगे। फिल्म में एक्टर छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाने वाले हैं। वहीं तुषि डिमरी के पास भूल भूलैया 3 और धडक 2 जैसी फिल्मों पाइपलाइन में हैं। इसके अलावा एमी विर्क के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर अक्षय कुमार स्टारर फिल्म खेल-खेल में दिखाई देंगे। ये फिल्म 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

## शब्द सामर्थ्य- 133

बाएं से दाएं	नाखुरा 16. खिंचाव, आकर्षण 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. 1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, चोड़े की तेज चाल, तेज गति की प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विचार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी 10. लूटपाट, डकैती 12. लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. आदि की मूर्ति बनाना। बर्बादी, तबाही 14. नासिका, अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर ऊपर से नीचे 17. आखेटक, अरेही गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र 1. हृदय, उर 2. शिष्टता, भद्रता, 19. योग्य, काविल 20. कामदेव की आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।
--------------	---

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 132 का हल									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
7									
8									
13									
14									
16									
17									
18									
20									
21									
22									
23									

## सू-दोक्- 133

3						7
9			6		3	8
7		9		5		6
3		8		7		1
1		3		9		7
8					2	
						4
						3
रियम						
5	2	4	9	6	7	8
3	6	7	4	1	8	2
8	1	9	3	2	5	4
6	3	5	1	9	4	7
7	9	8	5	3	2	6
2	4	1	7	8	6	3
4	5	3	6	7	9	1
9	8	6	2	5	1	3
1	7	2	8	4	3	9